खबर संक्षेप

सिविल अस्पताल जयसिंहनगर में बदलाव की बयार

शहडोल। जिले के सिविल अस्पताल जयसिंहनगर में चल रहे विवादों और लगातार सामने आ रही शिकायतों के बीच जिला चिकित्सा अधिकारी ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने डॉ. आर.पी. सिंह को खंड चिकित्सा अधिकारी सिविल अस्पताल जयसिंहनगर का प्रभारी नियुक्त किया है। यह बदलाव उस वक्त किया गया जब 26 अक्टूबर को डॉ. मिश्रा के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान तत्कालीन खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद प्रताप सिंह अस्पताल से अनुपस्थित पाए गए। इस पर कार्रवाई करते हुए उन्हें पद से हटा दिया गया और उनका प्रभार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आमडीह को सौंप दिया गया है। गौरतलब है कि डॉ. आनंद प्रताप सिंह पर पहले से ही कई गंभीर आरोप थे। 25 अक्टूबर को अस्पताल के वार्ड ब्वॉय राजेंद्र कुशवाहा के साथ मारपीट करने, मरीजों से अभद्र व्यवहार और अपने पदीय दायित्वों का दुरुपयोग करने की शिकायतों के चलते उन्हें पहले भी हटाया जा चुका था। उस समय जिला चिकित्सा अधिकारी ने डॉ. निशांत सिंह को जयसिंहनगर अस्पताल का नया खंड चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया था, हालांकि उनके प्रभार ग्रहण करने तक डॉ. आर.पी. सिंह ही अस्पताल का कार्यभार संभालेंगे।
लगातार विवादों से घिरे सिविल अस्पताल जयसिंहनगर में यह ताजा कार्रवाई अब प्रशासन की सख्ती का संकेत मानी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि अस्पताल की व्यवस्था और मरीजों की सेवा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्थानीय लोगों की उम्मीद है कि नए प्रभारी के आने से अब अस्पताल में अनुशासन और सेवा व्यवस्था दोनों में सुधार देखने को मिलेगा।

खारी गांव में लाखों की सेंधमारी!

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के खारी गांव में बीती रात चोरों ने किसान के घर में सेंधमारी कर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। हैरानी की बात यह है कि चोरों ने घर के अंदर जमीन में गड़े जेवर और रुपये तक निकाल लिए मानो उन्हें पहले से इसकी जानकारी थी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई है।जानकारी के अनुसार, पीड़ित किसान बृजेश जायसवाल परिवार सहित धान की गहाई के लिए दूसरे गांव गया हुआ था, तभी अज्ञात चोरों ने उसके घर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जब वह घर लौटा, तो दरवाजा टूटा हुआ और पूरा घर अस्त-व्यस्त मिला।किसान ने पुलिस को बताया कि उसने सुरक्षा के चलते अपने पूजा वाले कमरे में सोने-चांदी के जेवर जमीन में गाड़कर रखे थे। इसमें लगभग दो तोला सोना और करीब दो किलो चांदी के गहने थे। इसके अलावा उसने हाल ही में भैंस बेचकर मिले 1 लाख 25 हजार रुपये भी वहीं छिपा रखे थे। चोरों ने सटीक जगह पहचानकर मिट्टी खोदी और सारे गहने-रुपये निकाल ले गए। अनुमान है कि करीब 6 लाख रुपये की चोरी हुई है।

अमलाई ओसीएम हादसा: मौत की मिट्टी में दबी सच्चाई

मोहसन और अजय की लापरवाही से गई अनिल की जान

अनिल कुशवाहा, मृतक

डीजीएमएस की रिपोर्ट पर उठे सवाल, कंपनी को क्लीन चिट देने की तैयारी में पूरा तंत्र?

शहडोल। जिले के अमलाई ओपनकास्ट खदान (ओसीएम) में हुई दर्दनाक दुर्घटना को कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन हादसे का वह गड्ढा अब भी खुला जख्म बनकर पूरे खनन तंत्र की पोल खोल रहा है। यह केवल मिट्टी का धंसना नहीं था, बल्कि योजनाबद्ध लापरवाही और लालच की परिणति थी, जिसमें एक मेहनतकश चालक अनिल कुशवाहा की जान चली गई। अब जांच के केंद्र में हैं आर.के.टी.सी. कंपनी के स्थानीय प्रबंधक मोहसन थॉमस और ऑपरेशन प्रभारी अजय यादव, जिनके निर्णयों ने इस त्रासदी को जन्म दिया।

मौत की तरफ धकेले गए मजदूर

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के दिन सुबह से ही लगातार बारिश हो रही थी। मिट्टी दलदली हो चुकी थी, जमीन फिसलन भरी थी, फिर भी अजय यादव के आदेश पर मशीनें चलती रहीं। मजदूरों ने बार-बार कहा कि सर, नीचे पानी भरा है, मिट्टी धंस सकती है, लेकिन अजय यादव ने झिड़कते हुए कहा काम रोका तो टारगेट पीछे रह जाएगा, मशीनें नीचे भेजो। यही वह आदेश था, जिसने अनिल कुशवाहा को मौत के मुंह में धकेल दिया। खनन सुरक्षा नियमावली की धारा 110 और 129 के तहत बारिश या अस्थिर भूमि में कार्य पूरी तरह प्रतिबंधित है, लेकिन अजय यादव ने इन नियमों की खुलेआम अवहेलना की और यह सब उस समय हुआ जब कंपनी के उच्च अधिकारी मोहसन थॉमस रायपुर से बैठकर रिमोट कंट्रोल की तरह पूरी खदान की गतिविधियों को निर्देशित कर रहे थे।

बाहर से गाइड, अंदर मौत का खेल

मोहसन थॉमस, जो रायपुर और अन्य कोल माइन में रहते हुए आर.के.टी.सी. कंपनी को बाहर से गाइड करते हैं, चर्चा है कि उन्होंने ही बारिश के बावजूद काम जारी रखने की अनुमति दी थी। बताया जाता है कि उत्पादन लक्ष्य पूरा करने का भारी दबाव उन्हीं की तरफ से था। मोहसन थॉमस का यह दबाव स्थानीय स्तर पर अजय यादव तक पहुंचा और परिणाम हुआ कि एक निर्दोष चालक की असमय मौत हो गई। कंपनी के अंदरूनी सूत्र यह भी बताते हैं कि मोहसन थॉमस और अजय यादव के बीच उत्पादन बोनस और आउटपुट इनसेंटिव को लेकर निजी हित जुड़े हैं, जिसके चलते सुरक्षा नियमों को दरकिनार कर मजदूरों को मौत की खदान में उतारा गया।

जलभराव वाले क्षेत्र में किसने दी अनुमति

यह बात अब साफ हो चुकी है कि जहां हादसा हुआ, वह खदान की पुरानी, जलभराव वाली परत थी, जिसे करीब 30 साल पहले बंद कर दिया गया था। खनन सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) की जिम्मेदारी है कि वह खदानों में सुरक्षा सुनिश्चित करे, लेकिन हादसे से पहले कोई निरीक्षण नहीं हुआ। अब खबर यह है कि जबलपुर से पहुंची डीजीएमएस टीम ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में कंपनी को प्राकृतिक आपदा बताकर क्लीन चिट देने की सिफारिश कर दी है। अगर यह सच है, तो यह केवल अनिल कुशवाहा के परिवार के साथ अन्याय नहीं, बल्कि पूरे खनन तंत्र की विश्वसनीयता पर कलंक है। क्या डीजीएमएस अब कंपनी के लिए ढाल बन चुकी है? सवाल उठता है कि क्या निरीक्षण के नाम पर ली गई चाय-पानी और आतिथ्य ने रिपोर्ट की धार कुंद कर दी?

मजदूरों को जान की कीमत पर काम

मजदूरों ने खुलासा किया कि न तो उन्हें सुरक्षा जैकेट दी गई थी, न अलार्म यंत्र, न ही कोई इमरजेंसी सायरन मौजूद था। हादसे के वक्त मौके पर कोई सेफ्टी अधिकारी तक मौजूद नहीं था। सेफ्टी चेक की रिपोर्ट कागजों में तैयार कर ली जाती है, मौके पर कुछ नहीं होता। डीजीएमएस के नियमों के मुताबिक हर मजदूर को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण देना और प्रशिक्षण कराना अनिवार्य है, लेकिन अमलाई ओसीएम में सुरक्षा केवल फाइलों तक सीमित थी।

हरिभूमि Date 15 Jun 2025
सिर्फ धनपुरी नया क्षेत्र में ही दो दर्जन स्थानों पर कई टन कोयले की खपत
अवैध खनन, मजदूरों का शोषण और प्रदूषण का पर्याय बने ईंट भट्टे

क्या किसी 'बड़े हाथ' ने रोक दी जांच?

हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन की चुप्पी अब सवालों के घेरे में है। न तो किसी अधिकारी को निलंबित किया गया, न किसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आर.के.टी.सी. कंपनी का रसूख इतना मजबूत है कि जांच से पहले ही परिणाम तय हो जाता है। यही कारण है कि आज तक किसी अधिकारी ने मोहसन थॉमस और अजय यादव को पूछताछ के लिए तलब तक नहीं किया। क्षेत्रीय खनन अधिकारियों और कंपनी प्रबंधन के बीच गहरी मिलीभगत की चर्चा अब खुलकर होने लगी है।

मुआवजा नहीं, न्याय चाहिए

हादसे के बाद कंपनी ने मृतक अनिल कुशवाहा के परिवार को 45 लाख रुपये का मुआवजा देकर औपचारिकता पूरी कर दी, लेकिन क्या यह रकम एक जिंदगी की कीमत चुका सकती है? अनिल के परिजन अब यही पूछ रहे हैं कि यदि सुरक्षा नियमों का पालन होता, तो क्या हमारे बेटे की जान जाती? मुआवजा देना कोई दया नहीं, बल्कि अपराध को ढकने की कोशिश है। सवाल यह है कि क्या अब हर मौत के बाद कंपनी चेक थमाकर अपना गुनाह माफ कराएगी?

हादसा प्राकृतिक नहीं, प्रशासनिक हत्या

अमलाई ओसीएम में हुई यह दुर्घटना किसी प्राकृतिक कारण से नहीं, बल्कि मोहसन थॉमस और अजय यादव की गैरजिम्मेदारी, डीजीएमएस की चुप्पी और प्रशासनिक मिलीभगत से हुई थी। यह एक संगठित तंत्र की विफलता है, जिसमें लालच ने इंसानियत को कुचल दिया। अगर अब भी जांच केवल औपचारिकता बनकर रह गई, तो आने वाले समय में यह खदानें मजदूरों के लिए रोजग़ार नहीं, मौत के कारखाने बन जाएंगी।

फिल्टर प्लांट कॉलोनी में दिनदहाड़े लाखों की चोरी

हाईसिक्योरिटी जोन में पुलिस चौकसी पर उठे सवाल

शहडोल। जिले के अमलाई थाना क्षेत्र की हाई-सिक्योरिटी मानी जाने वाली फिल्टर प्लांट कॉलोनी में शुक्रवार को दिनदहाड़े हुई लाखों की चोरी की वारदात ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी। चोरों ने एरिया क्वालिटी मैनेजर (सेल्स विभाग) अजय रंगेला के घर को निशाना बनाते हुए करीब 10 लाख रुपये के सोने के आभूषण पार कर दिए। हैरानी की बात यह है कि घटना थाना प्रभारी के घर से महज 50 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे अजय रंगेला कार्यालय के लिए निकले थे, उनकी पत्नी और बेटी भी स्कूल चली गई थीं। दोपहर लगभग 12:30 बजे काम वाली बाई रोज

की तरह घर पहुंची, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद मिला। कई बार आवाज़ देने पर भी जवाब न मिलने से उसे शक हुआ। उसने तत्काल रंगेला को फोन कर सूचना दी। जब अजय रंगेला घर पहुंचे और पीछे से दरवाजा खोला, तो नज़ारा देखकर उनके होश उड़ गए, किचन का पिछला दरवाज़ा टूटा हुआ था, अलमारी उखड़ी हुई थी और पूरा घर अस्त-व्यस्त पड़ा था। चोर बड़ी सफाई से घर में घुसे और करीब 7 तोला सोने के जेवरात लेकर फरार हो गए। गनीमत रही कि दूसरे कमरे में रखी नकदी को चोर हाथ नहीं लगा पाए। घटना की सूचना मिलते ही अमलाई पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जांच शुरू की। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से कॉलोनी में अजनबी लोगों की आवाजाही बढ़ी थी, जिसकी जानकारी पुलिस को दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब दिनदहाड़े इस बड़ी चोरी ने लोगों के बीच भय और आक्रोश दोनों पैदा कर दिए हैं। शहर की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली कॉलोनी में हुई यह वारदात न केवल पुलिस गश्त की कमजोरी उजागर करती है, बल्कि यह भी बताती है कि चोर अब पुलिस की नाक के नीचे भी बेखौफ होकर वारदातें करने लगे हैं।

केशवाही डबल मर्डर केस: छह दिन बाद भी 15 आरोपी फरार

पहचान के बावजूद पुलिस नाकाम, गांव में पसरा सन्नाटा, जनता में आक्रोश

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र के केशवाही चौकी अंतर्गत बलबहरा गांव में दीपावली के अगले दिन हुए दोहरे हत्याकांड को छह दिन बीत चुके हैं, लेकिन पुलिस अब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने में नाकाम रही है। घटना के बाद मुख्य आरोपी अनुराग शर्मा अपने चार साथियों के साथ बुढ़ार थाने पहुंचकर सरेंडर कर चुका है। इसके बाद पुलिस ने पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया, मगर 15 आरोपी अब भी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। पहचान होने के बावजूद इन आरोपियों को पकडऩे में पुलिस की असफलता ने उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जमीनी विवाद में धारदार हथियारों से हमला

दिवाली के अगले दिन जमीन विवाद और पुरानी रंजिश को लेकर अनुराग शर्मा और उसके साथियों ने तिवारी परिवार की दुकान में घुसकर राहुल तिवारी और राकेश तिवारी की लाठी-डंडों और रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी, जबकि सतीश तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस दिल दहला देने वाली वारदात के वीडियो खुद आरोपियों ने अपने मोबाइल में कैद किए थे, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हुए।

पुलिस ने अब तक कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 15 की तलाश जारी है। बुढ़ार थाना प्रभारी संजय जायसवाल को घटना के बाद हटाने का आदेश तो जारी हुआ, लेकिन स्थानीय स्तर पर उन्हीं से जांच की मांग उठी, जिसके चलते वे आज भी बुढ़ार थाने में डटे हुए हैं। वहीं नए थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार को अब तक कार्यभार नहीं सौंपा गया है।

चौंकाने वाली बात यह है कि जिस चौकी क्षेत्र में वारदात हुई, वहां केवल 6 पुलिसकर्मी तैनात हैं और करीब 40 गांवों की जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर है। हाल ही में एक एएसआई सहित तीन प्रधान आरक्षक लाइन अटैच किए गए थे, लेकिन अब तक नई पदस्थापना नहीं हुई, जिससे बल की भारी कमी बनी हुई है। इस बीच, सोशल मीडिया पर मुख्य आरोपी अनुराग शर्मा की भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिस पर जिला कांग्रेस कमेटी ने भाजपा पर हमला बोला है।

ग्रामीणों के मुताबिक, वारदात के बाद बलबहरा गांव में आज भी भय और सन्नाटा पसरा हुआ है। लोग शाम ढलते ही अपने घरों में सिमट जाते हैं। पुलिस की असफलता से ग्रामीणों में आक्रोश है, जिन्होंने पहले ही दिन हाईवे जाम कर सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी।फिर भी छह दिन बीतने के बाद भी 15 आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जो जिले की पुलिस के दावे और उसकी साख दोनों पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहे हैं।

स्विफ्ट कार ने मोटर साइकिल को मारी जोरदार टक्कर

दो नाबालिग गंभीर रूप से घायल, चालक फरार

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्यौहारी-पोड़ी तिराहे पर शनिवार दोपहर एक भीषण सडक़ हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार दो नाबालिग युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक वाहन छोडक़र मौके से फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी 18 जेडएच 8784, जिसे सौरभ केशरी पिता जमुना प्रसाद गुप्ता निवासी ब्योहारी चला रहा था, तेज रफ्तार से ब्योहारी की ओर से आ रही थी। इसी दौरान सामने से आ रही बिना नंबर की हीरो मोटरसाइकिल, जिस पर दो युवक सवार थे, कार की ठोकर की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सीधे मोटरसाइकिल पर चढ़ गई, जिससे दोनों युवक सडक़ पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए।

घायलों की पहचान प्रदीप कोल पिता रामफल कोल उम्र 17 वर्ष और शिवेंद्र सिंह गोंड पिता रमेश सिंह गोंड उम्र 17 वर्ष दोनों निवासी ग्राम तगावर थाना ब्यौहारी के रूप में हुई है। घटना के बाद आस-पास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद डायल 112 वाहन से दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।घटना दोपहर करीब 1 बजे की बताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तिराहे पर अक्सर तेज रफ्तार वाहन दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। लोगों ने पुलिस से स्थायी स्पीड ब्रेकर और निगरानी व्यवस्था की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लगाई जा सके।

परंपरागत संस्कृति को संवारने के लिये उठे कदम

बढ़ते कदम समिति की बैठक में बनी नई कार्यकारिणी

शहडोल। बढ़ते कदम परंपरागत संस्कृति एवं साहित्य शोध समिति की बैठक रविवार को सत्य साई इंग्लिश मीडियम स्कूल में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें कई नए चेहरों को जिम्मेदारी सौंपी गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंत खरे के निर्देशों पर चर्चा करते हुए समिति के उद्देश्यों को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने और समाजहित में रचनात्मक गतिविधियों को गति देने का संकल्प लिया गया। इस दौरान प्रदेश सचिव पद पर श्रीमती अनुराधा गुप्ता, प्रदेश सलाहकार के रूप में श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, संभाग अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, संभाग सांस्कृतिक प्रभार श्रीमती राखी खरया, संभाग महासचिव शांति गुप्ता तथा जिला उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती रूपल दहिया को नियुक्त किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. गोपाल निगम ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई टीम समिति को और अधिक सशक्त बनाएगी। इस अवसर पर संरक्षक आर.एस. गौतम, किरण सिंह शिल्पी, संगीता शुक्ला, उमा सिंह, पवन पांडे और अन्य सदस्य मौजूद रहे। बैठक में सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया कि समिति विलुप्त होती परंपरागत संस्कृति, लोक कला और साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी, ताकि आने वाली पीढिय़ां भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़ी रहें।

एनएच-43 पर दर्दनाक हादसा

ट्रक की टक्कर से दो युवकों की मौके पर मौत, एक गंभीर

उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली थाना क्षेत्र में रविवार की शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर मुढुलूहा टोला के पास दिल दहला देने वाला सडक़ हादसा हो गया। तेज रफ्तार कैप्सूल ट्रक ने एक पल्सर बाइक को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्राम कुमुर्द निवासी सतीश सिंह पिता पप्पू सिंह, विकास बैगा और चमन सिंह बाइक पर सवार होकर पाली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार कैप्सूल ट्रक ने अनियंत्रित होकर उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सतीश और विकास ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि चमन गंभीर रूप से घायल होकर सडक़ पर तड़पता रहा।सूचना मिलते ही 112 पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शवों को पाली अस्पताल भिजवाया, वहीं घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि तीनों युवक किसी निजी कार्य से पाली की ओर जा रहे थे। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन मौके पर छोडक़र फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल पाली थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि राजमार्ग पर लगातार बढ़ रही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेतक बोर्ड तत्काल लगाए जाएं, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

खबर संक्षेप

कलेक्टर की अध्यक्षता में टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता मे जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह अप्रैल 2025 से अक्टूबर 2025 तक के लक्ष्य 42.89 करोड़ के विरूध्द 24.15 करोड़ रूपये की वसूली की गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से 26 अक्टूबर तक दर्ज अवैध उत्खनन , परिवहन, भंडारण के 76 प्रकरणों में से 69 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 38.46 लाख रूपये की वसूली की गई है । उन्होने बताया कि अवैध उत्खनन के 19 में से 23 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 6.35 लाख रूपये,अवैध परिवहन के 54 में से 45 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 31.72 लाख रूपये तथा अवैध भंडारण के 3 प्रकरणों में से 1 प्रकरण का निराकरण करते हुए 0.39 लाख रूपये की वसूली की गई है।बैठक में जिला खनिज अधिकारी विद्याकांत तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

फार्मासिस्ट की उपस्थिति में ही हो दवा का वितरणः सीएमएचओ

उमरिया। खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक खाद्य औषधि प्रशासन भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में दवा विक्रेताओं के द्वारा शेड्यूल औषधि का विक्रय फार्मासिस्ट की उपस्थिति में ही किया जाना है । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल द्वारा अपील की गई है कि समस्त रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट औषधि का विक्रय उनकी उपस्थिति में एवं रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर के प्रिस्क्रिप्शन पर ही दे। उन्होंने कहा कि औषधि विक्रेताओं के द्वारा विक्रय पत्र को संधारण औषधि एवं प्रशासन सामग्री अधिनियम 1940 नियमावली 1945 के नियम 65 तीन अनुसार किया जाना है जो की आदेश में उल्लेखित है । औषधि विक्रेताओं के द्वारा पत्रक का संधारण किया जाए जिसमें सीरियल नंबर, सप्लाई दिनांक, प्रिस्क्रिप्शन का नाम एवं पता पेशेंट का नाम एवं पता विक्रय की जानकारी रहे ।

ड्रग्स की क्वांटिटी, बैच नंबर, एक्सपायरी दिनांक एवं रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट के द्वारा हस्ताक्षर कर विक्रय पत्र का संधारण किया किया जाना आवश्यक है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर व्ही एस चंदेल ने बताया कि प्रतिबंधित दवाओं को नष्ट करें या वापस करे कोई भी प्रतिबंधित दवा मेडिकल दुकानों में उपलब्ध न हो यह सुनिश्चित करें।

नव आरक्षक प्रशिक्षुओ की मैराथन दौड़ संपन्न

उमरिया। पुलिस महानिदेशक मध्य प्रदेश कैलाश मकवाना एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) राजा बाबू सिंह,(भा0पु0से) के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक, पीटीएस उमरिया मुकेश वैश्य के मार्गदर्शन में पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय उमरिया में संचालित 39वें नव आरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र में नवआरक्षक प्रशिक्षुओं की हॉफ मैराथन दौड संपन्न हुई।

बांधवगढ़ के रिसॉर्टों में शराबखोरी का साम्राज्य!

पुलिस-आबकारी की मिलीभगत से फल-फूल रहा अवैध कारोबार

उमरिया।

जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व की शांत वादियों के बीच स्थित ताला गांव में एक बार फिर से पुलिस की कार्रवाई ने उस कड़वे सच को उजागर कर दिया है, जिसे प्रशासन सालों से नजरअंदाज करता आ रहा है। बीते दिन उपथाना बांधवगढ़ की पुलिस ने ताला स्थित नेचर हेरिटेज रिसॉर्ट में छापामार कार्रवाई करते हुए करीब 6 लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त की और रिसॉर्ट के मैनेजर किशोर उर्फ कपिल तेजवानी पिता टेकचंद तेजवानी को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है, लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ एक मैनेजर पर कार्रवाई कर देने से पूरे अवैध शराब तंत्र का अंत हो जाएगा? क्योंकि बांधवगढ़ के रिसॉर्टों में चल रही यह शराबखोरी कोई नया खेल नहीं, बल्कि वर्षों पुरानी जड़ें जमाई हुई अवैध कमाई की फसल है, जिसे विभागीय मिलीभगत का खाद-पानी मिल रहा है।

अवैध शराब की 'ओपन सीक्रेट' दुनिया

ताला, बांधवगढ़ और उसके आस-पास के इलाके आज न केवल पर्यटन के लिए जाने जाते हैं, बल्कि यहां के होटलों और रिसॉर्टों में 'ओपन बार संस्कृति' भी खूब फल-फूल रही है। विडंबना यह है कि यह सब खुलेआम होता है और स्थानीय पुलिस से लेकर आबकारी विभाग तक हर कोई सब जानता है। सैलानियों को शराब परोसना, बिना लाइसेंस के शराब स्टॉक करना और विदेशी ब्रांड के नाम पर नकली बोतलें बेचना यहां आम बात हो चुकी है। नेचर हेरिटेज रिसॉर्ट पर हुई यह कार्रवाई भी उन्हीं में से एक कड़ी है, लेकिन यह मामला जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा गहरा है। 6 लीटर शराब तो बस नमूना है, असल में पूरा सिस्टम इस धंधे में घुटनों तक डूबा हुआ है।

विभाग की चुप्पी और पुलिस की 'नजरें बंद'

हर बार की तरह इस बार भी कार्रवाई के बाद वही पुराना ड्रामा मैनेजर गिरफ्तार, शराब जब्त, मामला दर्ज बाकी सब जस का तस। कोई यह नहीं पूछता कि यह शराब कहां से आई? किस ठेकेदार ने सप्लाई की? क्या ये सारी बोतलें रातोंरात आसमान से टपकीं? असलियत यह है कि शराब माफिया और ठेकेदार पुलिस-आबकारी की मिलीभगत से संरक्षित हैं और कार्रवाई सिर्फ दिखावे के लिए की जाती है ताकि जनता का ध्यान भटकाया जा सके। बांधवगढ़ क्षेत्र में दर्जनों रिसॉर्ट हैं, बड़े-बड़े नामों वाले, जिनके पास बार लाइसेंस नहीं है।

पर्यटन की आड़ में माफियाओं का कारोबार

बांधवगढ़ का पर्यटन उद्योग प्रदेश की पहचान है, लेकिन अब यह पर्यटन नहीं बल्कि 'टूरिस्ट टैक्स' के नाम पर माफियाओं की तिजोरी भरने का जरिया बन गया है। पर्यटन सीजन में हर होटल और रिसॉर्ट में खुलेआम शराब परोसी जाती है। कीमतें आसमान छूती हैं और मुनाफा सीधा माफिया की जेब में जाता है। आबकारी विभाग को इस सबकी खबर है, लेकिन कार्रवाई तब होती है जब मीडिया या जनता का दबाव बढ़े। कभी किसी ठेकेदार पर केस नहीं, कभी किसी बार मालिक का लाइसेंस रद्द नहीं, बस खानापूर्ति।

प्रशासन इन सवालों का नहीं देता जवाब

नेचर हेरिटेज रिसॉर्ट में मिली शराब कहां से खरीदी गई? क्या रिसॉर्ट के पास शराब परोसने या रखने का कोई वैध लाइसेंस था? इस रिसॉर्ट के संचालन की अनुमति किन शर्तों पर दी गई थी और क्या उन शर्तों का पालन किया गया? अगर शराब ठेकेदारों से आई, तो किसके नाम पर बिल बना? आबकारी विभाग और पुलिस की नियमित जांच रिपोर्ट कहां हैं? इन सवालों के जवाब जनता जानना चाहती है, लेकिन शायद ही कभी मिलें।

मिलीभगत उजागर करने की जरूरत

बांधवगढ़ कुछ रिसोर्ट अब अवैध शराब, विदेशी सिगरेट और देह व्यापार जैसे कई अवैध धंधों के अड्डे बनने की चर्चा है, यह सब कुछ बिना प्रशासनिक संरक्षण के संभव नहीं है, हर साल लाखों की टैक्स चोरी और करोड़ों का अवैध लेनदेन यहां का 'नॉर्मल' बन चुका है। जब भी कोई मामला उजागर होता है, तो एक-दो कर्मचारियों को बलि का बकरा बना दिया जाता है, जबकि असली 'गुनहगार' रिसॉर्ट मालिक, सप्लायर और ठेकेदार मजे से कारोबार जारी रखते हैं।

बांधवगढ़ को बचाना होगा

यह सवाल अब केवल अवैध शराब का नहीं, बल्कि बांधवगढ़ की छवि और प्रतिष्ठा का है। पर्यटन क्षेत्र को कलंकित करने वाले इन रिसॉर्टों पर अब कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और आबकारी विभाग की मिलीभगत की जांच होनी चाहिए और उन अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए जो वर्षों से आंखें मूंदे बैठे हैं। बांधवगढ़ की वादियां शेरों की दहाड़ के लिए जानी जाती हैं, शराब के गिलासों की खनक के लिए नहीं। जागरूक लोगों ने कहा कि रिसोर्टों की जांच के लिए उच्च स्तरीय दल का गठन करना चाहिए, जिससे पूरे मामले का खुलासा हो सकता है। अगर शासन-प्रशासन अब भी नहीं जागा, तो आने वाले समय में यह पर्यटन स्थल अवैध कारोबार का केंद्र बन जाएगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए । जो विभाग बी,सी एवं डी ग्रेड की श्रेणी में है वे सभी विभाग ए ग्रेड में आना सुनिश्चित करें तथा यह भी सुनिश्चित करें कि जिले की रैंकिंग में भी सुधार हो।

बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें।

बैठक में पीएचई, महिला एवं बाल विकास विभाग, समस्त नगर पालिकाओं, लोक शिक्षा एवं राज्य शिक्षा केंद्र, खाद्य शाखा, कृषि विभाग की सीएम हेल्पीलाइन में कम रैकिंग होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित विभाग को शिकायतों का निराकरण कर रैकिंग सुधारने के निर्देश दिए।

उन्होने कहा कि नरवाई को जलाना प्रतिबंधित किया गया है। उक्त आदेश का कड़ाई से पालन कराया जाए।उसके बाद भी यदि नरवाई जलाई जाती है तो सख्ती के साथ कार्यवाही की जाए । बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ,संयुक्त कलेक्टर रीता डहेरिया,एसडीएम मानपुर टी आर नाग,एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज,मीनांक्षी इंगले, सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन की बैठक संपन्न

उमरिया। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार जिले के लिए जिला स्तर पर दिव्यांगों व वरिष्ठ नागरिकों की चुनाव प्रक्रिया में अधिकतम सहभागिता व साझेदारी को सुनिश्चित करने, उनको दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा एवं उपायों को कारगर बना कर चुनावी प्रक्रिया को और अधिक सुलभ बनाने हेतु जिला स्तरीय समिति डिसट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन की तिमाही बैठक कलेक्टर सभागार कक्ष में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि स्पर्ष पोर्टल से डाटा निकालकर दिव्यांगों का नाम जोडने की कार्यवाही की जाए । वर्ष 2004 के बाद जन्म लेने वाले वोटर की जानकारी को अपडेट किया जाए।

बैठक में मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा ने बताया कि जिले में मतदान केन्द्रों की संख्या 613 है। जिसमें बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 115, चंदिया में 103 तथा नौरोजाबाद में 67 मतदान केंद्र है।इसी तरह मानपुर में 225 मतदान केन्द्र तथा पाली में 103 मतदान केन्द्र है। जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 4,82,778 है । पीडब्ल्यूडी मतदाताओ की संख्या 3678 है। सीनियर मतदाताओ की संख्या 2499 है।

मास्टर ट्रेनर ने बताया कि समिति का कार्य क्षेत्र दिव्यांग मतदाताओं की मतदान केंद्रवार मैपिंग सुनिश्चित करना, जिसमें विकलांगता का प्रकार भी शामिल हो तथा दिव्यांग मतदाताओं के बारे में अद्यतन आंकड़ों का रखरखाव करना,यह सुनिश्चित करना कि जो दिव्यांगजन नामांकित नहीं हैं उनकी पहचान की जाए तथा मतदाता सूची में उनका नामांकन सुनिश्चित किया जाए। सुगम मतदान केन्द्र और सुगम मतदाता जागरूकता अभियान सहित बाधा-मुक्त वातावरण तैयार करना, निर्वाचन प्रक्रिया में दिव्यांगजनों की कुशल एवं प्रभावी भागीदारी के संबंध में आयोग/मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा जारी विभिन्न निर्देशों का क्रियान्वयन करना, चुनाव कार्यकर्ताओं के लिए जिले में सभी प्रशिक्षणों में दिव्यांगजनों की विशेष आवश्यकताओं के बारे में संवेदनशीलता पर एक घटक शामिल करना, दिव्यांगजनों के नामांकन एवं संवेदीकरण के लिए विशेष शिविरों का आयोजन करने सहित अन्य जानकारी दी ।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, उप जिला निर्वाचन अधिकारी रीता डेहरिया, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज,मीनांक्षी इंगले, अशासकीय सदस्य सोहन चौधरी,हिमांशु तिवारी

बाल विवाह के दुष्परिणामों से कराया जा रहा अवगत

उमरिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल ने बताया कि भारत अभियान के तहत देवउठनी ग्यारस 2025 के अवसर पर बाल विवाह के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान में राष्ट्र किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के आशा द्वारा ग्राम स्तर पर चयनित साथिया एवं दर्शन महिला कल्याण समिति के मास्टर ट्रेनरों द्वारा ग्राम स्तर पर भ्रमण कर जन जागरूकता का कार्य किया जा रहा है ।

अभियान के तहत ग्राम कुनकुनी उप स्वास्थ्य केंद्र सुंदरदादर विकासखंड पाली की साथिया हेमती सिंह , आशा कार्यकर्ता ममता सिंह द्वारा ग्राम में दीवार लेखन कर ग्राम वासियों को बाल विवाह के विरुद्ध जागरूक किया गया । शिकायत हेतु टोल फ्री नंबर की जानकारी प्रदान की जा रही है जिसमें मास्टर ट्रेनर अंकित पांडे उपस्थित रहे ।

इसी प्रकार ग्राम गिंजरी इच्छति सिंह परिहार मास्टर ट्रेनर द्वारा ग्राम वासियों को बाल विवाह मुक्त भारत के तहत शपथ दिलवाई गई एवं जागरूक किया गया वही ग्राम बेल्दी विकासखंड मानपुर में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के साथिया संजय साहू , करुणा यादव , रोशनी साहू आशा कार्यकर्ता एवं मास्टर ट्रेनर आकांक्षा सिंह चौहान की उपस्थिति में दीवार लेखन कर ग्राम वासियों को जागरूक किया जा रहा है।

अपर जिला सत्र न्यायाधीश ने किया जेल का निरीक्षण

उमरिया।

अपर जिला सत्र न्यायाधीश नजमा बेगम द्वारा जिला जेल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जेल की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई । निरीक्षण के दौरान अपर जिला सत्र न्यायाधीश ने बंदियों के प्रत्येक बैरक में जाकर उनके बिस्तर, कपडे, बर्तन, साफ-सफाई, स्वच्छता,मुलाकात कक्ष, वी0सी0 कक्ष, महिला वार्ड, जेल अस्पताल, इनकमिंग टेलीफोन, पाकशाला, अनाज गोदाम का अवलोकन किया । बंदियों के आपराधिक मामले मे पैरवी के लिए अधिवक्ता की जानकारी प्राप्त की ।बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे मे पूछताछ की,तथा जेल कार्यालय का अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक डी0 के0 सारस एवं जेल चिकित्सक डॉ0 एस.के. जैन, न्यायालय सहायक / स्टेनो महेन्द्र परते, प्रमुख मुख्य प्रहरी शिवशंकर कोल, जगत नारायण पाण्डेय, रमन विश्वकर्मा, मो0 शारिब, रविन्द्र प्रजापति एवं जेल में डयूटीरत प्रहरी उपस्थित रहे।

लोक आस्था का पर्व, देर रात तक खरना का प्रसाद ग्रहण करते नजर आये श्रद्धालु

सज-धज कर तैयार हुये छठ घाट, छठ व्रतियों ने दिया भगवान सूर्य को अर्घ्य

हरिभूमि न्यूज राजनगर। नगर परिषद क्षेत्र बनगवां (राजनगर) एवं डोला, डूमरकछार में चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ की धूम है। रविवार को लोगों ने खरना का प्रसाद ग्रहण किया। छठव्रतियों के घरों में तैयार खीर का प्रसाद व गेहूं की रोटी सबसे पहले छठव्रतियों ने संध्या बेला में ग्रहण किया। इसके बाद छठव्रतियों का निर्जला उपवास शुरू हो गया। छठव्रतियों के प्रसाद ग्रहण करने के बाद परिवार के अन्य सदस्य, कुटुंब, मित्र व जानने वाले लोगों ने भी घरों में पहुंच कर यह प्रसाद ग्रहण किया। क्षेत्र के सभी नगर परिषद, एंव रामनगर पुलिस, छठ समिति के सदस्य सहित, सामाजिक लोगों द्वारा महापर्व के सफल आयोजन के लिए तैयारी में जुटे रहे। सभी छठ घाटों तक आने-जाने के लिए विशेष तैयारी की गयी है।

अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को दिया अर्घ्य

सोमवार को राजनगर क्षेत्र के जोड़ा तालाब, साईडिंग न्यू राजनगर तालाब, शांतिनगर छोटी भलमुड़ी तालाब व, तथा डोला में सेक्टर सी, रामनगर एंव डूमरकछार न्यू कॉलोनी, पुलिया दफाई तथा अन्य क्षेत्रों में अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को पहला अर्थ छठव्रतियों द्वारा दिया गया। इसके बाद परिवार के लोग अर्घ देंगे। सभी छठव्रती अपने अपने नजदीकी छठ घाटों पर जाकर सूर्य की उपासना किये और शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। मंगलवार सुबह सूर्य को अर्ध देने के साथ महापर्व का समापन होगा। छठ महापर्व भारतीय सनातन परंपरा का जीवंत स्वरूप है।

रामनगर पुलिस के द्वारा शांति व्यवस्था काबिलेतारीफ

सुमित कौशिक थाना प्रभारी रामनगर द्वारा छठ पर्व पर को देखते हुए थाना क्षेत्र के सभी छठ घाटों पर पुलिस बल की पर्याप्त व्यवस्था कि गयी। प्रमुख रूप से राजनगर के जोड़ा तालाब के पहले छोटी काली मंदिर तथा भगत सिंह चौक में पुलिस द्वारा ट्रैफिक कंट्रोल किया गया।

छठ तालाब घाट, जमुना कॉलरी में डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

हरिभूमि न्यूज जमुना कॉलरी।

छठ महापर्व के अवसर पर जमुना कॉलरी एवं भालूमाडा छठ तलाब घाट पर सोमवार की शाम श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। किसानों व महिलाओं सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरा घाट छठ मइया के गीतों से गूंज उठा और सूर्य आराधना में सबने सहभागिता जताई। कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल ने कहाकृ"छठ आस्था, समर्पण और स्वच्छता का पर्व है। यहां क्षेत्र के लोग जिस उत्साह से भाग ले रहे हैं वह सराहनीय है। नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह ने घाट की व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए कहाकृ"नगर प्रशासन ने स्वच्छता और सौंदर्यीकरण की पूरी व्यवस्था की है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। "सुरक्षा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं पेयजल की उचित व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।शाम को सूर्यास्त के समय अर्घ्य देने के बाद सभी श्रद्धालु प्रसाद वितरण एवं छठी मइया की पूजा-अर्चना में तत्पर दिखे। छठ तलाब घाट पर जहां एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र की अलंकृता महिला समिति श्रद्धा महिला मंडल के द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई तो वहीं नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी सचिन कुमार जायसवाल के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा छठ पूजा समिति के द्वारा सभी भक्तों का स्वागत अभिनंदन किया गया।

लोक आस्था के महापर्व छठ की धूम

हरिभूमि न्यूज कोतमा। लोक आस्था का महापर्व छठ का त्योहार सोमवार को नगर मे धूमधाम से मनाया गया है। हिंदू धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व होता है। यह चार दिनों तक चलता है, जिसमें तीसरे दिन का विशेष महत्व होता है। सोमवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर सूर्य उपासना और छठी मईया की पूजा की गई। शाम चार बजे से व्रती अपने परिवार के साथ सिर पर पूजा की सामग्री रखकर बैंड-बाजे के साथ घाट पर एकत्रित होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने पहुंची। छठ पूजा के दौरान सुहागिन महिलाएं नाक से लेकर मांग तक लंबा सिंदूर भरी हुई थी। इसे पति की लंबी उम्र और दांपत्य जीवन की खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान महिलाएं लाल की बजाय नारंगी रंग का सिंदूर लगाई हुई थी । इसका कारण यह है कि नारंगी रंग सूर्य का प्रतीक है और छठ पर्व सूर्य की उपासना का पर्व है। इसलिए नारंगी सिंदूर लगाने से सूर्य की विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही यह माना जाता है कि सुहागिन महिला का जितना लंबा सिंदूर होगा, उसका दांपत्य जीवन उतना ही लंबा और सुखी होगा। सूर्यास्त के समय सूर्य देव और छठी मैइया की पूजा-आराधना का खास महत्व का दिन था । छठ पूजा के दौरान व्रती पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को जल चढ़ाते हुए सुख समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही सूप में पूजन सामग्री को रखकर छठी मईया की पूजा की फिर कथा और आरती की गई। छठ पर्व चार दिनों तक चलता है जिसमें तीसरे दिन का खास महत्व होता है। व्रती निर्जला व्रत रखते हैं। इस दिन प्रसाद में ठेकुआ अर्पित किया गया। मंगलवार को चौथे दिन यानी सप्तमी तिथि पर सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण होता है। नगर पालिका के द्वारा नगर के वार्ड क्रमांक चार बस स्टैंड के पास तालाब शिवसागर धाम तालाब कलमुडी नाला केवई नदी के रपटा एवं वार्ड क्रमांक 12 गोबिंदा कालोनी के पास केवी नदी में घाट बनाया गया था जिसके रंग बिरंगी रोशनी की व्यवस्था की गई थी। सोमवार की शाम छठ पूजा को लेकर छठ घाटों मे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल के द्वारा सभी घाटों पर पुलिस बल तैनात किया गया था।

छठ तलाब घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर श्रद्धालुओं ने मांगी सुख-समृद्धि की कामना

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। छठ महापर्व के पावन अवसर पर सोमवार की शाम जमुना कॉलरी स्थित छठ तालाब घाट, केवई नदी भालू माडा बीमा ग्राम बदरा श्रमिक नगर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए सैकड़ों महिलाएं, पुरुष और युवा घाट पर पहुंचे पूरा वातावरण "केलवा के पात पर उगले सूरज देव..." जैसे पारंपरिक छठ गीतों से गूंज उठा। एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र के लोकप्रिय महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी ने सभी श्रद्धालुओं को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठ केवल पूजा नहीं, बल्कि यह प्रकृति, स्वच्छता और आत्म-नियंत्रण का महापर्व है। इस उत्सव में हमारी संस्कृति, परिवार और समाज की एकता की झलक मिलती है। उनके नेतृत्व में एसईसीएल की अलंकृता महिला समिति एवं श्रद्धा महिला मंडल द्वारा श्रद्धालुओं के लिए जलपान और सेवा व्यवस्था की गई, जिससे घाट का वातावरण और भी अनुकरणीय बना

नपा पसान की बेहतर व्यवस्था

नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह ने घाट की तैयारियों का निरीक्षण किया और कहा कि नगर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और पेयजल की समुचित व्यवस्था की है ताकि किसी को कोई असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि घाट के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है शाम के समय जब सूर्यास्त हुआ, तो पूरा घाट दीपों की रोशनी में आलोकित हो उठा। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी सचिन कुमार जायसवाल के सहयोग से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण में भक्ति और उल्लास का संगम बना दिया। वहीं छठ पूजा समिति के सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत-अभिनंदन किया। छठ घाट जमुन कॉलरी में कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल ने पहुंचकर भक्त जनों से मुलाकात की और आशीर्वाद लिया।

खबर संक्षेप

मुढुलुआ में भीषण सडक हादसे में दो की मृत्यु एक घायल

बिरसिंहपुर पाली- आज शाम लगभग पांच बजे एक बल्कर ने पल्सर सवार लोगों को कुचल कर फरार हो गया। जिसमें बाइक सवार विकास बैगा और सतीश सिंह की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि चमन सिंह को मामूली चोटे आयी है। पल्सर बाइक क्र एम पी - 54 जे बी 83664 जो पाली की ओर जा रहे थे जब राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में मुढुलुआ के पास पहुंचे तभी पाली की तरफ से आ रहे कैप्सूल टक क्र एम पी -20 जे एल 5851 से आमने सामने भिडंत हो गयी, जिसमें पल्सर सवार तीन मे से दो लोगों की मौत हो गयी जबकि तीसरे का उपचार जारी है। घटना की सूचना पर पाली पुलिस घटना स्थल पर पहुँच कर आगे की कार्य वाही में जुटी हुई है।

सुनील सिंह चंदेल जिला सहायक अधिकारी के पद पर हये पदोन्नति

बुढ़ार। आबकारी विभाग के अंतर्गत विभाग के रिक्त पदो पर कनिष्ठ स्तर के अधिकारियों को कार्यवाहक उच्च पद का प्रभार के साथ पदस्थ किये जाने का राज्य शासन के द्वारा प्रशासकीय निर्णय लिया है। कार्यवाहक उच्च पद का प्रभार के साथ कार्यकाल के आधार पर उक्त पद की वरिष्ठता के के आधार पर पदोन्नति की गई है। आबकारी उप निरीक्षक सुनील सिंह चंदेल का आबकारी जिला सहायक अधिकारी के पद पर पदोन्नति के साथ उन्हें शहडोल जिले से संभागीय उड़न दस्ता रीवा अंतर्गत प्रभारी अधिकारी विदेशी मदिरा भाण्डागार के लिए स्थांतरित किया है। श्री चंदेल तेज तर्रार एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने सर्विस कार्यकाल में अनूपपुर, ब्यौहारी, एवं शहडोल जिले में अपनी सेवाएं दी हैं,अवैध शराब धर-पकड़ एवं जिले में अपनी अलग पहचान बनाई है। जिनके पदोन्नति होने पर विभाग के अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

छठ पूजा पर घाट सफाई कर बांटा गया प्रसाद

बड़वारा। विलायतकला स्थित नदी घाट पर छठ पर्व के अवसर पर साफ सफाई के साथ पूजन कर प्रसाद वितरित किया गया। संत त्यागी जी के सान्निध्य में महानदी घाट पर समाज सेवा विकास संस्था द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। त्यागी जी ने कहा कि नदी केवल जल नहीं, जीवन का प्रवाह है। जब हम नदी को स्वच्छ रखते हैं, तब अपने भीतर की नकारात्मकता को भी दूर करते हैं। छठ पूजा की सच्ची भावना प्रकृति और सूर्य की उपासना के साथ-साथ आत्मशुद्धि का प्रतीक है। हमें सभी नदियों को गंगा के समान ही पवित्र मानना चाहिए, हर गांव एक तीर्थ है। जहां सेवा और स्वच्छता है, वहीं परमात्मा का वास है। उन्होनें निरंतर सफाई, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, गौ सेवा, भिक्षा सेवा, और जन-जागरण के कार्य करने का संदेश दिया है।

जिले में अब तक 1164.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में इस वर्ष रविवार 1 जून से रविवार 26 अक्टूबर तक कुल 1164.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सर्वाधिक औसत वर्षा इस साल रीठी तहसील में दर्ज की गई है, जहां अब तक 1481.2 मिलीमीटर वर्षा हुई है। इसी अवधि में जिले में बीते वर्ष कुल 1087.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार इस साल अब तक पिछले वर्ष की तुलना में 7.1 प्रतिशत अधिक औसत वर्षा हो चुकी है। अधीक्षक भू-अभिलेख अमृता गर्ग ने बताया कि जिले में आलोच्य अवधि तक कटनी तहसील में 1218.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तहसील रीठी में 1481.2 मिलीमीटर, बड़वारा तहसील में 1040 मिलीमीटर, बरही तहसील में 1053 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 999.9 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 1057 मिलीमीटर एवं स्लीमनाबाद तहसील में 1356.8 मिली दर्ज की।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ शुरू, घाटों पर उमड़ी श्रद्धा की लहर

डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित, आज भोर में दिया जाएगा ऊषा अर्घ्य, ज्वालामुखी तालाब से लेकर ओपीएम घाट तक गूंजे छठ मइया के गीत

धनपुरी।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ धनपुरी व आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्ति के माहौल में मनाया जा रहा है। शनिवार की शाम धनपुरी और अमलाई के विभिन्न घाटों पर डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया गया। रविवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह चार दिवसीय पर्व संपन्न होगा।शनिवार शाम को ज्वालामुखी तालाब, नंबर-1 तालाब, कुमारी खदान, अमलाई थाना के पास गाडाघाट, ओपीएम छठ घाट सहित अन्य स्थानों पर सैकड़ों की संख्या में व्रती महिलाएं और श्रद्धालु पहुंचे। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर पूजा सामग्री से भरे सूप और दौरा लेकर भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करती नजर आईं। घाटों पर छठ मइया के गीतों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।चार दिवसीय पर्व में निहित है आस्था और अनुशासन इस वर्ष छठ पर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर को नहाय-खाय से हुई थी। 26 अक्टूबर को खरना का अनुष्ठान संपन्न हुआ। सोमवार को संध्या अर्घ्य और मंगलवार को ऊषा अर्घ्य देकर पर्व संपन्न होगा। भोर में महिलाएं तालाबों पर पहुंचकर जल में खड़ी होकर सूर्य को अर्घ्य देंगी और परिवार की मंगलकामना करेंगी।पूजा सामग्री की जबरदस्त मांग छठ पर्व को लेकर बाजारों में गन्ना, कांदा, फल, नारियल, दीया, सूपा-दौरा जैसी सामग्रियों की भारी बिक्री देखी गई। श्रद्धालु पहले से ही तैयारी में जुट गए थे। छठ पर्व में स्वच्छता का विशेष महत्व होने के कारण व्रती घर और आसपास की सफाई पर विशेष ध्यान देते हैं।बैंड-बाजों और आतिशबाजी के साथ घाटों पर उमंग पूजा सामग्री लेकर महिलाएं और पुरुष बैंड-बाजों के साथ तालाब तक पहुंचे। जगह-जगह आतिशबाजी हुई और वातावरण में उल्लास का माहौल बन गया। अन्य समुदायों के लोग भी पूजा देखने पहुंचे। प्रशासन की ओर से घाटों पर सफाई और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी।छठ पर्व 2025 का क्रम,25 अक्टूबर (शनिवार): नहाय-खाय,26 अक्टूबर (रविवार): खरना,27 अक्टूबर (सोमवार): संध्या अर्घ्य,28 अक्टूबर (मंगलवार): ऊषा अर्घ्य और पारण।छठ पर्व केवल व्रत नहीं, बल्कि आस्था, संयम और शुद्धता का प्रतीक बन चुका है। धनपुरी व आसपास के क्षेत्रों में यह पर्व सामूहिक श्रद्धा और भक्ति की मिसाल बन गया है।

मोहनराव तालाब में छठ का पर्व धूमधाम से मनाया

शहडोल शहडोल में मोहनराव तालाब में छठ का पर्व हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बहुत ही धूमधाम से मनाया जा रहा है छठ पूजा का महात्म्य (महत्व) बहुत गहरा और बहुआयामी है। यह पर्व मुख्य रूप से सूर्य देव और छठी मैया (प्रकृति देवी/संतान की देवी) की उपासना का पर्व है। इसके प्रमुख महात्म्य और महत्व इस प्रकार हैं:1. सूर्य देव की उपासनाः * छठ पूजा सूर्य देव को समर्पित है, जो जीवन के स्रोत, ऊर्जा, प्रकाश और स्वास्थ्य के देवता माने जाते हैं। * यह एकमात्र ऐसा हिंदू त्योहार है जिसमें डूबते और उगते, दोनों सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जो जीवन के उतार-चढ़ाव (शुरुआत और अंत) के प्रति संतुलन और सम्मान का प्रतीक है। 2. छठी मैया (षष्ठी देवी) की आराधनाः * छठ पूजा में छठी मैया की भी पूजा की जाती है, जिन्हें संतान की रक्षा करने वाली और उन्हें दीर्घायु, सुख-समृद्धि प्रदान करने वाली देवी माना जाता है। 3. स्वास्थ्य और समृद्धिः * मान्यता है कि छठ का कठोर व्रत और सूर्य की उपासना करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है और व्रती तथा उनके परिवार को अच्छा स्वास्थ्य, सकारात्मकता और लंबी आयु प्राप्त होती है। 4. प्रकृति और पर्यावरण से जुड़ावः * यह पर्व प्रकृति के तत्वों - सूर्य, जल और नदी/जलाशय के प्रति आदर और सम्मान व्यक्त करता है। * छठ पूजा अपने अनुष्ठानों, जैसे नदियों या जल स्रोतों की सफाई, प्राकृतिक प्रसाद का उपयोग, और सादगी के कारण पर्यावरण-अनुकूल त्योहार माना जाता है।5. सामाजिक समरसता और समानताः * यह पर्व जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से परे है। सभी लोग एक साथ मिलकर घाटों पर पूजा करते हैं, जो सामाजिक एकता और भाईचारे का सुंदर उदाहरण है। * छठ के अनुष्ठान और लोकगीत लोक-संस्कृति और माटी से जुड़ाव को दर्शाते हैं।6. अनुशासन, तप और पवित्रताः * चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में व्रती (व्रत करने वाले) कठोर नियमों, जैसे निर्जला उपवास (बिना पानी के), पवित्रता और शुद्धि का पालन करते हैं। यह अनुशासन, आत्म-संयम और गहन भक्ति का प्रतीक है।कुल मिलाकर, छठ पूजा सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, परिवार, स्वास्थ्य और लोक आस्था का एक अद्भुत संगम है, जो कृतज्ञता, शुद्धि और अटूट विश्वास का संदेश देता है।

हजारों श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

अमलाई। बकहो नगर का प्रसिद्ध बमबम तालाब सोमवार को आस्था और श्रद्धा के सागर में डूब गया, जब हजारों श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठी मइया से अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।सुबह से ही तालाब परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजधजकर पूजा सामग्री के साथ तालाब की ओर रवाना हुईं। तालाब के किनारों पर व्रती महिलाओं ने सुंदर सूप, दौरा और फल-सब्जियों से भरे बांस के टोकरे सजाकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया।इस अवसर पर छठ पूजा समिति बकहो द्वारा भव्य आयोजन किया गया था। समिति ने करीब एक माह पूर्व से तैयारियों की शुरुआत कर दी थी। पूरे तालाब परिसर की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंध के साथ-साथ श्रद्धालुओं के आवागमन हेतु विशेष व्यवस्था की गई थी।छठ पर्व में भाग लेने के लिए ओरिएंट पेपर मिल्स, सोडा फैक्ट्री, रुंगटा, बुढ़ार सहित आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। यहां हर वर्ष हजारों की संख्या में श्रद्धालु पूजा में भाग लेते है।कार्यक्रम में नगर परिषद बकहो और ओरिएंट पेपर मिल्स प्रशासन का भी भरपूर सहयोग रहा। तालाब के चारों ओर अमलाई थाना स्टाफ और ओपीएम के सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।पूरे क्षेत्र में मेले जैसा माहौल रहा। बच्चों ने गुब्बारे, खिलौने और मिठाइयों का आनंद लिया। महिलाओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और छठी मइया के गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया।मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह पर्व संपन्न होगा।

मौजूदा समय में साहित्यिक आलोचना का विवेक खतरे में है - डॉ रश्मि रावत

मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलनन की संगोष्ठी में दिया व्याख्यान

बिरसिंहपुर पाली।

गत दिवस टिकुली कला केंद्र में मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलनन की उमरिया जिला इकाई द्वारा आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए हंस आलोचना सम्मान से सम्मानित युवा आलोचक डॉ रश्मि रावत ने कहा कि मौजूदा समय में साहित्यिक आलोचना का विवेक खतरे में है । जिले के साहित्यकारों को संबोधित करते हुए आपने कहा कि यह ऐसा दौर है जहां पर पीड़ित के लिए और हत्यारे के लिए एक समान करुणा प्रदर्शित की जा रही है । जो संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है और ऐसी स्थिति में करुणा का कोई अर्थ नहीं रह जाता । इसीलिए आलोचना पर जिम्मेदारी आन पड़ती है कि वह उसे रेखांकित करे । यह तभी संभव है जब आलोचना के पास अपना क्षीर-नीर विवेक हो । लेखक जिस समकाल में रच रहा होता है उसमें कोई तो विचार, स्वप्न और आकांक्षाएं होंगी । बावजूद इसके साहित्य में मूल्यपरकता घट रही है जबकि यह वह दौर है जब चार पांच पीढ़ियां एक साथ लिख रही हैं और सोशल मीडिया ने उसे ज्यादा सुगम और व्यापक बना दिया है । कहा जाता था ₹जहां न जाए रवि, वहां जाए कवि₹ लेकिन अब वक्त बदल चुका है । कवि की चुनौती ज्यादा बड़ी है क्योंकि अब वह वहां तक नहीं देख पा रहा है जहां से चीजें संचालित हो रही हैं । किसान, मजदूर, गरीब, महिला, बेरोजगार आदि की दुरावस्था के कारण स्थानीय होते हुए भी नीतिगत भी हैं और वैश्विक भी हैं । डॉ रावत ने डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी को उद्धृत करते हुए कहा कि परंपरा का एक कदम जमीन पर और दूसरा कदम उठा हुआ होता है । यह उठा हुआ कदम प्रगतिशीलता का है । प्रगतिशीलता के साथ चलना और सत्य व संवेदना को बनाए व बचाए रखना सोशल मीडिया के दौर में बेहद कठिन होता जा रहा है । प्रतिगामी सोच को जगह मिल रही है और लोग दुख को इवेंट बनाकर परोस रहे हैं । मनुष्यता संकट में है । बढ़ती हुई लफ्फाजी के कारण शब्द अपना अर्थ खो रहे हैं । ऐसी स्थिति में चीजों को देखने की नई आंख चाहिए । साहित्यकार शब्दों में अर्थ की नई ज्योति जला पाएं दीपावली के मौके पर यही शुभसंशा है । संगोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि शेख धीरज ने की । इस अवसर पर मध्यप्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन की जिला इकाई के अध्यक्ष योगेश कुमार पांडेय, सचिव शिवांश सेंगर, वरिष्ठ साहित्यकार शंभू सोनी 'पागल', संतोष कुमार द्विवेदी, राजकुमार महोबिया, शिवानंद पटेल, रामलखन सिंह चौहान 'अक्खड', भूपेंद्र त्रिपाठी, शारिब पूर्वांचली, दुष्यंत सोनी, प्रेमशंकर मिर्जापुरी, ममता द्विवेदी, संपत नामदेव, श्रुति द्विवेदी, कृष्णा सिंह आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे । संगोष्ठी का संचालन शिवांश सेंगर ने किया । इस अवसर पर शॉल श्रीफल और लोकनाथ का कविता संग्रह ₹खुरदुरे पत्थर₹ भेंटकर डॉ रश्मि रावत को सम्मानित किया गया । भूपेंद्र त्रिपाठी ने आभार व्यक्त किया ।

खुले मैदान में चल रहा काम, सुरक्षा व्यवस्था भी चौपट

रामपुर बटूरा में एक करोड़ का वर्कशॉप बना खंडहर

धनपुरी।

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की रामपुर बटुरा ओसीएम में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया वर्कशॉप अब खंडहर बन चुका है, जबकि परियोजना के उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव कार्य आज भी खुले मैदान और जंगलों के बीच संचालित किए जा रहे हैं। इससे न केवल मशीनों की उम्र घट रही है, बल्कि कर्मचारियों को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है।वर्कशॉप भवन वर्षों पहले तैयार हुआ था, मगर प्रबंधन की अनदेखी के चलते आज तक इसका संचालन शुरू नहीं हुआ। दीवारों पर दरारें, टूटी खिड़कियां और झाड़ियों से घिरा परिसर सरकारी धन की बर्बादी का उदाहरण बना हुआ है।कर्मचारियों का कहना है कि खुले मैदान में मरम्मत कार्य करना जोखिम भरा है। बरसात के समय काम रुक जाता है और गर्मी में मशीनें धूप से खराब हो जाती हैं। "हमने कई बार अधिकारियों को अवगत कराया, पर किसी ने सुध नहीं ली," एक कर्मचारी ने बताया।सुरक्षा व्यवस्था पर भी उठे सवाल परियोजना में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कमजोर है। कोयला और डीजल चोरी की घटनाएं आम हो चुकी हैं। बताया जाता है कि पहले भी कई बार महंगे-से-महंगे पार्ट्स (स्पेयर पार्ट्स) चोरी हो चुके हैं, फिर भी प्रबंधन ने ठोस कदम नहीं उठाए। वर्कशॉप के कर्मचारी लगातार असुरक्षा की भावना में काम कर रहे हैं।स्थानीय सूत्रों का कहना है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो करोड़ों की लागत से बना यह ढांचा पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। वहीं चोरी की बढ़ती घटनाएं कंपनी के संसाधनों पर भारी नुकसान पहुंचा रही हैं।स्थानीय कर्मचारियों और नागरिकों की मांग है कि प्रबंधन तत्काल वर्कशॉप को चालू कर वहां मरम्मत कार्य शुरू करे, साथ ही सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर चोरी की घटनाओं पर रोक लगाए, ताकि सरकारी धन और संपत्ति दोनों की रक्षा हो सके।

1.75 लाख किसानों की फार्मर आईडी बनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कृषकों को कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया के माध्यम से आसानी से केसीसी ऋण प्राप्त हो सके तथा हितग्राही मूलक योजनाओं का निर्धारण एवं सत्यापन की प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक कृषक भूस्वामी की फॉर्मर रजिस्ट्री कर एक यूनिक आईडी भारत सरकार द्वारा जनरेट कर प्रदान की जा रही है। जिले में अब तक 1 लाख 75 हजार 219 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य संपादित किया जा चुका है। यह कुल लक्ष्य के विरुद्ध 99.13 प्रतिशत उपलब्धि है।कलेक्टर द्वारा राजस्व अधिकारियों की बैठक में किसानों के फार्मर आईडी रजिस्ट्री मामले की सतत समीक्षा की वजह से यह उपलब्धि हासिल हो सकी है।

कलेक्टर के निर्देश के बाद जिले में अभियान स्वरूप में फार्मर आईडी रजिस्ट्री प्रक्रिया का कार्य संपादित किया गया। कटनी नगर तहसील में अब तक 9 हजार 442 किसानों की फार्मर आईडी बनाईं जा चुकी है। जबकि कटनी ग्रामीण तहसील के 10 हजार 638 किसानों की, स्लीमनाबाद तहसील के 17 हजार 195 किसानों, बहोरीबंद तहसील के 25 हजार 645 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की जा चुकी है। इसी प्रकार विजयराघवगढ़ तहसील के 29 हजार 545 किसानों की, ढीमरखेड़ा तहसील के 26 हजार 923 किसानों सहित बरही तहसील के 17 हजार 227 किसानों और रीठी तहसील के 22 हजार 547 किसानों एवं बड़वारा तहसील के 16 हजार 89 किसानों की फार्मर आईडी बनाईं जा चुकी है। किसान घर बैठे अपने मोबाइल पर फार्मर सहायक एमपी एप डाउनलोड कर फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं। मोबाइल एप के अलावा किसान पटवारी अथवा उनके गांव में नियुक्त सर्वेयर सहायक से भी फार्मर रजिस्ट्री करा सकेंगे। एमपी ऑनलाइन कियॉस्क या कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी निर्धारित शुल्क चुकाकर किसान फार्मर रजिस्ट्री करा सकेंगे।

चमत्कारी कार्यों के लिए याद किये जायेंगे एसडीएम श्री सिंह

अल्प अवधि में जन मानस में छोडी अमिट छाप

बिरसिंहपुर पाली

पाली तहसील में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अंबिकेश प्रताप सिंह का तबादला पाली तहसील से जिले के ही जिला मुख्यालय की तहसील बांधवगढ़ में बतौर एस डी एम के पद पर करते हुए उनके क्षमता वर्धन किया गया है। पाली तहसील में एस डी एम बमुश्किल सात से आठ माह ही कार्य करने का अवसर मिला, लेकिन इस अल्प समय में ही उनके कुशल कार्य शैली लोक लुभावन बन गयी थी और जन जन में त्वरित कार्यवाही की अमिट छाप छोडी है। एस डी एम का कार्य भार सम्हालने के बाद आपने क्षेत्र के विकास के लिए कुछ प्राथमिकताये तय की थी उनमें से कुछ तो पूरी करने में सफल हुए तो उनकी कुछ संकल्पनाये आकार नहीं ले पायी। उनकी परिकल्पनाओं में चिनकी, सांस, बाघन्नारा, गांधी गाँव में बिजली पहुचाने के उनके सपने आकार नहीं ले सकीं। श्री अंबिकेश प्रताप सिंह ने एस डी एम पद पर पहली बार पाली तहसील में यह कुर्सी पर आसीन होने का सुनहरा अवसर मिला था और इसका लाभ जन जन तक पहुचाने का संकल्प ले कर क्षेत्र की जनता तक पहुचाने का बीड़ा उठाया था। विदित होवे की उन्होंने अपने इस अवधि में एक तरफ प्रशासनिक कसावट लाने का कार्य किया, वही पर उन्होंने मैदानी क्षेत्र में भी अपने काम की छबि बना ली थी। चाहे ग्रीष्म ऋतु में जल संवर्धन का कार्य रहा हो या गांधी गांव तक पेयजल की आपूर्ति का मामला हो वर्षा ऋतु में आपदा प्रबंधन में सब्बल चलाने से भी कभी परहेज नहीं किया। चाहे जो परिस्थितियां रही हो, कितना भी जटिल मामला रहा हो सब समस्या का एक ही निदान बन कर उभरे थे । कभी भी कोई भी किसी समय फोन पर अपनी बात रख कर समस्या के निदान की पुकार कर सकता था, यथा संभव उसके समस्या का त्वरित निदान करने का प्रयास किया जाता रहा है। धार्मिक कार्य हो या सांस्कृतिक कार्यक्रमो की अविरल गति हो सब मे उनकी तत्परता की साफ झलक दिखती थी। धार्मिक नगरी पाली जहाँ पर बहु प्रसिद्ध जगत जननी माँ बिरासनी माँ का मंदिर है जहाँ पर शारदीय एवं बांसतीय नव रात्रि पर्व वृहद स्तर पर मनाया जाता है जिसमें मंदिर प्रबंध समिति की तरह से एस डी एम की भूमिका और कार्य शैली का विशेष योगदान होता , जिसे उन्होंने बखूबी निभाया है। बिरासनी मंदिर में सुरक्षा के दृष्टिगत कुछ सी सी कैमरे आदि का बंदोबस्त कराते हुए उसे चाक चौबंद बनाने का काम आपने सहजता पूर्वक निभाया है। शराब तस्करी के मामले में तत्परता दिखाते हुए जो कार्यवाही की थी, उससे न अपराधियो में उनके नाम का खौफ था, जन मानस में यह भरोसा कायम करने में कामयाबी हासिल कर ली थी की यह बात एस डी एम तक पहुँच गयी है तब तो न्याय ही होगा , उन्हें संवैधानिक मर्यादाओं का सदैव पालन करने में विश्वास रखते थे, और सदैव अपने काम में पारदर्शिता को अपनी कार्यशैली बना कर रखी। अनुविभागीय अधिकारी में एक नयी उमंग, नया उत्साह,और त्वरित कार्यवाही का जो ललक देखने को मिली वह अत्यंत सराहनीय मानी जा रही है। एक तरह से यह पाली का दुर्भाग्य ही कहा जाये की पाली तहसील से एक योग्य ,कुशल प्रशासनिक अधिकारी जो एक लंबे समय बाद मिला था वह भी असमय स्थानांतरित हो गया। इस कुशल कार्य शैली से उन्होंने जनता का मन जीत लिया और क्षेत्र की जनता उन्हें इस कुशल कार्य शैली के लिए सदा स्मरण करेंगा। अंबिकेश प्रताप सिंह का अल्प अवधि में जाना हर एक को अखर रहा है, क्योंकि ऐसे प्रशासनिक अधिकारी बिरले ही मिलते हैं जिनमें चहुमुखी कर्तव्य निष्ठा कूट कूट कर भरी हो। उनका असमय जाना हर एक के जेहन में कसक पैदा कर रहा है।

खबर संक्षेप

अनूपपुर में होगी खाटू श्याम बाबा की भजन संध्या

अनूपपुर। श्रद्धा और भक्ति के माहौल में खाटू श्याम बाबा के भक्तों के लिए एक विशेष अवसर आने वाला है। अनूपपुर में 1 नवंबर एवं 2 नवंबर को भव्य खाटू श्याम बाबा भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में क्षेत्रभर से श्रद्धालु शामिल होकर भक्ति रस में डूबेंगे और श्याम नाम का गुणगान करेंगे। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में ख्याति प्राप्त भजन गायक अपनी मधुर वाणी में श्याम बाबा के भजनों की प्रस्तुति देंगे। दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में श्रद्धालुओं के लिए विशेष सजावट, प्रसादी वितरण एवं भंडारे की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया जाएगा ताकि भक्तों को खाटू धाम जैसी अनुभूति मिल सके। 1 नवंबर को मुख्य बाजार स्थित रामजानकी मंदिर के पास श्याम भक्तों द्वारा कार्यक्रम आयोजिन किया जायेगा, जहां भजन गायक बृजकिशोर, अभिषेक गर्ग व भजन गायिका नेहा पांडेय द्वारा प्रस्तुत दी जायेगी, वही 2 नवंबर को चेतनानगर स्थित केडिया पेट्रोल पंप के सामने कार्यक्रम होगा, जहां भजन गायिका श्रीकृष्नेहा, गायक श्याम दीवाना व शीश सेवा राजेश महराज प्रदान करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन शाम 6 बजे से प्रभु की इच्छा तक होगी। भजन संध्या में श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम, मेरा श्याम मेरा राम, श्याम तेरा दीवाना जैसे प्रसिद्ध भजन गूंजेंगे। आयोजन समिति ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज में भक्ति, सद्भाव और एकता का संदेश देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। 1 और 2 नवंबर की शाम को शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में श्याम भक्तों के लिए बैठने एवं वाहन पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से समय पर पहुंचकर भजन संध्या का आनंद लेने और श्याम बाबा की कृपा प्राप्त करने की अपील की है।

घर के सिलेण्डर में लगी आग, बाल बाल बचे लोग

अनूपपुर। जिला मुख्यालय के वार्ड नं 9 में सोमवार को एक घर के किचन के एलपीजी सिलेंडर में अचानक आग लग गई, घर मालिक ने जान का जोखिम उठाकर सिलेंडर घर से बाहर फेंका। इस दौरान नगर पालिका के फायर ब्रिगेड को भी सूचित किया गया, लेकिन नगरपालिका की फायर ब्रिगेड एक घंटे से घटना स्थल के एक किमी दूर खड़ी रही पर अंदर नही आ पाई क्योंकि वहां का रास्ता इतना संकरा है कि बड़ी गाड़ी आ ही नही पाती, पुलिस जनप्रतिनिधि खड़े देख रहे थे। चूंकि बिना प्लानिंग के शहर मे हजारों नए घर बन गये हैं। ऐसे मे लोगों की मांग है कि 112 नंबर पुलिस वाहन में भी फायर सिलेंडर होना चाहिए वही नगर पालिका को मिनी फायर ब्रिगेड बनाने पर भी विचार करना चाहिए।

जिपं सीईओ ने जिपं की विभिन्न शाखों का किया निरीक्षण

अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जिला पंचायत की विभिन्न शाखों का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की गई। जिला पंचायत सीईओ ने निरीक्षण के दौरान एमडीएम, आवास, मनरेगा, आजीविका मिशन, डीएमएफ, सामाजिक अंकेक्षण, शिकायत शाखा तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा कार्यालय व निर्माण सामग्री परीक्षण लैब का निरीक्षण किया गया।

जिले में 8.1 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 8.1 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 6.2 मिली मीटर, कोतमा में 25 मिली मीटर, बिजुरी में 4.8 मिली मीटर, पुष्पराजगढ़ में 2.2 मिली मीटर तथा बेनीबारी में 26.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केंद्र जैतहरी, वेंकटनगर तथा अमरकंटक में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

अचानक निकल रही चिंगारी से मची अफरा तफरी, बड़ा हादसा टला

हाईटेंशन लाइन से टकराई स्टेशन से गुजर रही ओव्हर लोड मालगाड़ी

जिम्मेदारों ने मालगाड़ी को बिना चेक किये दे दी हरी झंडी

रेलवे स्टेशन अनूपपुर मे उस समय अफरा तफरी मच गई जब मालगाड़ी में भरा कोयला हाईटेंशन लाइन से टकरा गया और जोरदार धमाके के साथ चिंगारियां निकलने लगी। बिजली के तार टूटकर पटरी पर गिर गए। बताया जा रहा है कि मामले में जिम्मेदार अफसरों ने बिना जांच किए और लेवलिंग करवाए मालगाड़ी को रवाना कर दिया। हालांकि, मालगाड़ी प्लेटफॉर्म के बीच वाले लूप ट्रैक पर थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। रेलकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मालगाड़ी को प्लेटफॉर्म नंबर 4 के अतिरिक्त यार्ड में खड़ा कर दिया।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

हादसा सोमवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। इस ट्रैक की कई पैसेंजर और गुड्स ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। उनमें से कुछ को जैतहरी, छुलहा और मौहरी रेलवे स्टेशनों पर रोका गया, जबकि कुछ का रूट डायवर्ट कर दिया गया। जिस वक्त हादसा हुआ, उसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर रीवा-चिरमिरी पैसेंजर ट्रेन खड़ी थी। यात्रियों ने बताया कि मालगाड़ी से काफी देर तक चिंगारियां निकलती रहीं।

बिना चेक किये मालगाड़ी को दे दी हरी झंडी

रेलवे अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया कि कोतमा कालरी से कोयला ट्रेन की वैगन में लोड कर संजय गांधी थर्मल पावर प्लांट बिरसिंहपुर पाली उमरिया भेजा जा रहा था। ट्रेन रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे रवाना हुई थी। जब ट्रेन कोयला यार्ड से बाहर निकाली, तो कोतमा रेलवे स्टेशन के अधिकारियों ने मालगाड़ी को चेक नहीं किया। लोड करने के लिए लेवलिंग भी चेक भी करना होता है। बावजूद इसके बिना जांच किए मालगाड़ी को रेलवे ट्रैक पर चलने योग्य बता दिया।

कोयला लोड कर लेवलिंग भी नहीं कराई

नियमानुसार ओएचई (ओवर हेड केबल) केबल और बोगी के बीच की हाइट में करीब डेढ़ फीट गैप होना चाहिए, जबकि मालगाड़ी के वैगन में ढाई फीट ज्यादा ऊपर तक कोयला लोड कर दिया गया था, जिससे यह ओवरहेड वायर से टकरा गया। एक वैगन में 65 टन कोयला आता है। जहां वैगन केबल से टकराई, वह पुराना रेलवे ट्रैक है। इसकी ऊंचाई भी कम है, इस कारण हादसा हो गया। इसके अलावा, वैगन में कोयला मशीन के जरिए लोड किया जाता है। उसके लेवलिंग के लिए लेबर रखा जाता है, लेकिन इसमें कोयला लोड करके लेवलिंग नहीं कराई गई।

घंटे भर खड़ी रही ट्रेन

हादसे के बाद बरौनी गोंदिया एक्सप्रेस को जैतहरी रेलवे स्टेशन पर रोका गया था। इसे एक नंबर प्लेटफार्म से एक घंटे की देरी से रवाना किया जा सका वही रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस को अनूपपुर में ही एक घंटे तक खड़ा रखा गया। 3 मालगाड़ियां जैतहरी और अमलई में रोकी गई थीं। रेलवे पीआरओ अंबिकेश साहू ने कहा कि हादसे के बाद मालगाड़ी रेलवे स्टेशन पर खड़ी है। यह जांच की जा रही है कि कोयले ने आग तो नहीं पकड़ ली। इसके साथ ही उसके लेवलिंग का काम किया जाएगा। जांच के बाद ही मालगाड़ी को रवाना किया जाएगा। ओएचई केबल को भी सुधार रहे हैं।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से मिला 2 लाख का चेक

पत्नी के निधन पर पति को मिली आर्थिक राहत

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित भारतीय स्टेट बैंक की स्थानीय शाखा ने एक बार फिर यह साबित किया है कि बैंक केवल आर्थिक संस्था नहीं, बल्कि आम जन के जीवन में सहयोगी की भूमिका निभा रही है। समीपवर्ती ग्राम जोहिला बांध (पोड़की) निवासी मार्तंड सिंह को उनकी धर्मपत्नी श्रीमती भगवती बाई सिंह के निधन के बाद प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 2 लाख की बीमा राशि का चेक सौंपा गया। श्रीमती भगवती बाई सिंह ने अपने जीवनकाल में भारतीय स्टेट बैंक अमरकंटक शाखा में खाता खुलवाकर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनाएवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना दोनों का प्रीमियम नियमित रूप से जमा कराया था। उनका मानना था कि भविष्य में यदि कोई आकस्मिक स्थिति उत्पन्न हो, तो परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके। सितंबर 2025 में श्रीमती भगवती बाई सिंह के आकस्मिक निधन के बाद उनके पति मार्तंड सिंह ने बैंक से संपर्क कर बीमा दावा प्रस्तुत किया। शाखा प्रबंधक गौरव उपाध्याय ने बताया कि मृतका के खाते से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेजों को विधिवत एकत्र कर वरिष्ठ कार्यालय को भेजा गया। परीक्षण और अनुमोदन के उपरांत लगभग डेढ़ माह के भीतर बीमा दावा स्वीकृत हुआ और 2 लाख की राशि लाभार्थी मार्तंड सिंह के खाते में जमा कर दी गई। बीमा राशि प्राप्त करने के बाद भावुक मार्तंड सिंह ने कहा कि मेरी पत्नी की कमी कभी पूरी नहीं हो सकती, परंतु इस बीमा राशि से आर्थिक रूप से बहुत राहत मिली है। मेरे ऊपर जो कर्ज था, उसे अब चुका सकूंगा। मैं चाहता हूँ कि हर व्यक्ति ऐसी योजनाओं का लाभ अवश्य ले, क्योंकि जीवन अनिश्चित है और भविष्य की सुरक्षा के लिए बीमा आवश्यक है। शाखा प्रबंधक श्री उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का उद्देश्य आम नागरिक को न्यूनतम प्रीमियम पर जीवन सुरक्षा उपलब्ध कराना है। मात्र 436 वार्षिक प्रीमियम में यह बीमा योजना किसी भी आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में परिजनों को 2 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान करती है। बैंक ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ें और अपने परिवार को आर्थिक सुरक्षा का कवच प्रदान करें। लाभार्थी को चेक प्रदान करने के दौरान भारतीय स्टेट बैंक अमरकंटक शाखा के प्रबंधक गौरव उपाध्याय एवं राजकुमार घोरे, वीरेंद्र सिंह कुशवाह, विपिन कुमार पटेल आदि उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर अमरकंटक में होगा भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम

1 नवंबर को 51 हजार दीपों से जगमगायेगा नर्मदा का उत्तर तट

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि 1 नवंबर को मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर अनूपपुर जिले में वृहद कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय मुख्य समारोह एकलव्य आवासीय विद्यालय के ऑडिटोरियम हाल में आयोजित होगा, जहां स्थापना दिवस पर विविध सांस्कृतिक समारोह संपन्न किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सांयकालीन दीपोत्सव कार्यक्रम अमरकंटक स्थित नर्मदा घाट के उत्तर तट पर 51,000 दीपों की अलौकिक रोशनी के साथ भव्य रूप से मनाया जाएगा, जो जिले की आस्था, एकता और गौरव का प्रतीक होगा। कलेक्टर श्री पंचोली ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दीपोत्सव कार्यक्रम की सभी तैयारियां योजनाबद्ध ढंग से की जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यवस्था के लिए सेक्टरवार टीमें गठित कर जिम्मेदारियां सुनिश्चित की जाएं, ताकि आयोजन आकर्षक और सफल रूप से संपन्न हो। कलेक्टर श्री पंचोली कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमरकंटक को अमरकंटक में बेहतर साफ सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर सभी शासकीय भवनों एवं कार्यालयों में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस प्रदेशवासियों के लिए गर्व और उत्सव का अवसर है, अतः सभी कार्यालयों एवं शासकीय परिसरों को आकर्षक रूप से सजाया जाए ताकि वातावरण में उत्सव की भावना झलके। कलेक्टर ने कहा सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लेते हुए कार्यक्रमों में प्राथमिकता के आधार पर भागीदारी सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सभी विभागों से समन्वय बनाकर स्थापना दिवस को उत्साह, एकता और प्रशासनिक दक्षता का प्रतीक बनाने का आव्हान किया। कलेक्टर ने छठ पूजा के अंतिम दिवस 28 अक्टूबर को सभी नोडल अधिकारी को प्रातःकाल तालाबों की व्यवस्थाओं का स्थल निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि पूजा स्थल पर सुरक्षा, स्वच्छता, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने सभी नोडल अधिकारियों को कार्यक्रम की विधिवत मॉनिटरिंग करने और किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

नदी, तालाब, पोखरों मे पहुंचकर महिलाओं ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

जिले भर में छठ पूजा पर आस्था की दिखी बेमिसाल झलक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

छठ महापर्व के अवसर पर जिले भर मे सोमवार की शाम श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। महिलाओं सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार व समाज के सुख समृद्धि की कामना की। चारों तरफ हर नदी, तालाब, पोखरें के आस पास छठ मैया के गीतों से गूंज उठा और सूर्य आराधना मे सबने सहभागिता जताई। जिले भर मे प्रशासन ने स्वच्छता और सौंदर्यीकरण की व्यवस्था की थी ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुये सुरक्षा के विशेष इंतजाम किये गये थे। शाम को सूर्यास्त के समय अर्घ्य देने के बाद सभी श्रद्धालु प्रसाद वितरण एवं छठी मैया की पूजा अर्चना मे तत्पर दिखे। अनूपपुर मे मड़फा तालाब व तिपान नदी पर छठ मैया उत्सव समिति के द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई थी व आये हुये श्रद्धालुओं का स्वागत अभिवादन किया गया। हिंदू धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व होता है। यह चार दिनों तक चलता है, जिसमें तीसरे दिन का विशेष महत्व होता है। सोमवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर सूर्य उपासना और छठी मईया की पूजा की गई। शाम चार बजे से व्रती अपने परिवार के साथ सिर पर पूजा की सामग्री रखकर बाजे गाजे के साथ घाट पर एकत्रित होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने पहुंची। छठ पूजा के दौरान सुहागिन महिलाएं नाक से लेकर मांग तक लंबा सिंदूर भरी हुई थी। इसे पति की लंबी उम्र और दांपत्य जीवन की खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान महिलाएं लाल की बजाय नारंगी रंग का सिंदूर लगाई हुई थी। इसका कारण यह है कि नारंगी रंग सूर्य का प्रतीक है और छठ पर्व सूर्य की उपासना का पर्व है। इसलिए नारंगी सिंदूर लगाने से सूर्य की विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही यह माना जाता है कि सुहागिन महिला का जितना लंबा सिंदूर होगा, उसका दांपत्य जीवन उतना ही लंबा और सुखी होगा। सूर्यास्त के समय सूर्य देव और छठी मैइया की पूजा-आराधना का खास महत्व का दिन था। छठ पूजा के दौरान व्रती पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को जल चढ़ाते हुए सुख समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही सूप में पूजन सामग्री को रखकर छठी मईया की पूजा की फिर कथा और आरती की गई। छठ पर्व चार दिनों तक चलता है जिसमें तीसरे दिन का खास महत्व होता है। व्रती निर्जला व्रत रखते हैं। इस दिन प्रसाद में ठेकुआ अर्पित किया गया। मंगलवार को चौथे दिन यानी सप्तमी तिथि पर सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण होता है।

बारिश ने किसानों के माथे पर खींची चिंता की लकीरें

अनूपपुर। मौसम के अचानक बदले मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिले में रविवार सुबह तेज बारिश और हवा चली, जिससे खेतों में पककर तैयार खड़ी धान की फसल गिर गई. कटाई के बीच हुई बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरने का काम कर दिया। शनिवार रात से ही मौसम का मिजाज बदल गया था, मौसम ने रविवार की सुबह अचानक करवट ली और फिर बारिश दौर शुरू हो गया। सुबह झमाझम बारिश से खेतों में पानी भर गया। किसानों का कहना है कि धान की कटाई का समय चल रहा है, ऐसे में बारिश से फसल खराब होने का खतरा बढ़ गया है। किसानों ने बताया कि हवा और बारिश से कई जगह बालियां झुक गईं। इससे कटाई मुश्किल हो जाएगी और उत्पादन भी घटेगा। कई इलाकों में खेतों में पानी भरने से मशीनों का इस्तेमाल ठप पड़ सकता है। शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया, जबकि ग्रामीण इलाकों में खेतों में पानी ठहर गया। किसान शिवकुमार कुशवाहा ने बताया कि पूरे जिले में धान की फसल पककर तैयार है।

न्यायाधीश के घर पत्थरबाजी पर अभिभाषक संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

अभिभाषक संघ कोतमा ने सोमवार को न्यायालयीन कार्य में संलग्न सभी व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए कठोर उपाय किये जाने हेतु प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन मे लेख किया गया कि 24 अक्टूबर को तहसील न्यायालय कोतमा में कार्यरत व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा अमनदीप सिंह छाबड़ा के निवास स्थान पर उनके न्यायालय में विचाराधीन मामले के आरोपियों द्वारा की गयी पत्थरबाजी की घटना की कड़ी निंदा की गयी है एवं आरोपियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की मांग को लेकर आज न्यायालयीन कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया गया है। अभिभाषक संघ ने कहा कि समस्त अधिवक्ता समुदाय न्यायालय में पदस्थ न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित है। संघ ने आरोपियों के विरूद्ध कड़ी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही एवं माननीय न्यायाधीशगण एवं न्यायालीन कार्य में संलग्न सभी व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु कठोर उपाय की मांग की।